हर खबर पर नजर

HPN

जनपद रायबरेली से प्रकाशित

हिन्दी साप्ताहिक

हर पल निगहें

Website:www.harpalnigahein.com

RNI. No.: UPHIN/2010/32333

वर्ष–15, अंक :37 हरचंदपुर–रायबरेली, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीयन संख्या RBL/NP-68 पृष्ठ–4, मूल्य– 1 रूपया

संक्षिप्त...

नायब सिंह सैनी समेत 10 कैबिनेट मंत्रियों ने ली शपथ

नयी दिल्ली हरियाणा नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में लगातार दूसरी बार हरियाणा के सीएम के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और अन्य सीएम, डिप्टी सीएम, केंद्रीय मंत्री, एनडीए नेता शामिल हुए। नायब सिंह सैनी समेत भाजपा विधायक कृष्ण लाल पंवार, राव नरबीर सिंह, महिपाल ढांडा और विपुल गोयल ने हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। बता दे भाजपा विधायक अनिल विज ने भी हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

बहराइच हिंसा के मुख्य आरोपी सरफराज समेत दो का एनकाउंटर,पांच आरोपी गिरफ्तार

–एजेंसी

बहराइच। जिले के महाराजगंज बाजार में रविवार को मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान राम गोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। एसटीएफ ने मुख्य आरोपी सरफराज और तालिब का गुरुवार को नानपारा कोतवाली क्षेत्र के हांडा बसे हरी गांव के पास एनकाउंटर कर दिया है दोनों नेपाल भागने के फिरक में थे। दोनों के पैर में गोली लगी है।पुलिस उसे जिला अस्पताल लेकर आ रही है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा ने बताया कि आरोपी को गोली लगी है। जिसे अस्पताल लाया जा रहा है। वहीं अब तक इस मामले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनमें दो को गोली लगी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि आरोपी कथित तौर पर नेपाल भागने की कोशिश कर रहे थे, जिसकी सीमा उत्तर प्रदेश के बहराइच से लगती है। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने एक समाचार चौनल को बताया, पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मुठभेड़ के बारे में उन्होंने कहा, मुझे गोलीबारी और गोली लगने की सूचना मिली है।ष यश ने कहा कि बहराइच में एक व्यक्ति की हत्या और उसके बाद हुई हिंसा के मामले में जांच कर रही बहराइच पुलिस ने पहले ही नेपाल में एक आरोपी के लिंक की पुष्टि कर ली है। यूपी पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार की तरफ से एक बयान जारी कर बताया गया है कि महराजगंज में एक युवक की गोली मार कर हत्या करने के केस में आज बहराइच पुलिस द्वारा पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनके नाम हैं, मोहम्मद फहीन (नामजद), मोहम्मद तालीम उर्फ सबलू, मोहम्मद सरफराज (नामजद), अब्दुल हमीद (नामजद), मोहम्मद अफजल। पहले दो की निशानदेही पर मर्डर में प्रयुक्त हुए हथियार की बरामदगी के लिए जब पुलिस टीम लेकर गई तो इनके द्वारा वहां रखे हथियारों से पुलिस पर फायरिंग की गई। जवाबी फायरिंग में दोनों को गोली लगी है। गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उपचार कराया जा रहा है। मर्डर में उपयोग किया हथियार बरामद हो गया है। गत रविवार को दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान एक पूजा स्थल के बाहर तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर जिले की महसी तहसील के महाराजगंज में हिंसा भड़क उठी थी। पुलिस के अनुसार हिंसा में गोली लगने से 22 वर्षीय राम गोपाल मिश्रा की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तोड़फोड़ और आगजनी शुरू हो गई और गुस्साई भीड़ ने कई घरों, दुकानों, शोरूम, अस्पतालों और वाहनों को आग लगा दी।

मरीजों के तीमारदारों ने उठाई आवाज,जिला अस्पताल में डायलिसिस विभाग में फैला भ्रष्टाचार

रायबरेली। जिला अस्पताल के डायलिसिस विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आज तीमारदारों का गुस्सा फट पड़ा। एक दर्जन से अधिक मरीजों के रिश्तेदार जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचे और शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई।16 अक्टूबर 2024 को दोपहर करीब 2 बजे तीमारदारों ने जिला अस्पताल में सुविधाओं की कमी और दवाओं के अभाव के संबंध में गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि डायलिसिस के दिन स्टाफ द्वारा समय पर न पहुंचने पर पैसे की मांग की जाती है, तब जाकर मरीजों का इलाज होता है। इसके अलावा ऐसे मामलों की भी जानकारी मिली है जहां बिना मरीजों के डायलिसिस के ही धनराशि शासन से प्राप्त कर ली जाती है। तीमारदारों में कलावती, अमरनाथ, कपिल, रवि कुमार, महेश, जागेंद्र और दिलीप गुप्ता शामिल थे। उन्होंने जांच और अस्पताल के सीएमएस प्रदीप अग्रवाल पर कार्रवाई की मांग की है। मरीजों के तीमारदारों ने आरोप लगाया है कि अस्पताल में बिना किसी डिग्री

के स्टाफ को डॉक्टर बनाकर बैठा दिया गया है। इसके साथ ही, मैनेजर द्वारा मरीजों से पैसे की वसूली भी की जा रही है। तीमारदारों ने बताया कि पहले भी सीएमएस के खिलाफ संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। हाल के दिनों में अस्पताल में दवाओं की आपूर्ति भी गंभीर रूप से प्रभावित हुई है।

सनातन महासभा की गोमती महाआरती व सनातन समागम का आयोजन

लखनऊ। सनातन महासभा की ओर से झूलेलाल वाटिका, गोमती तट पर प्रत्येक पूर्णिमा पर आयोजित शरद पूर्णिमा पर आयोजित सनातन महासमागम एवं 130 वी आदि गंगा माँ गोमती महाआरती का आयोजन गुरुवार को किया गया। मंगलाचरण, स्वस्तिवाचन, पुष्पांजलि व शंखनाद के साथ 07 भव्य मंचो से पूज्य स्वामी आनंद नारायण जी, स्वामी हरेंद्र नाथ, पूर्व आईएएस जगन्नाथ सिंह व देवेंद्र शुक्ल के सानिध्य में हुई। महाआरती में मृदंग, मंजीरा, ढोल, तासे, शंख की ध्वनि से पूरा प्रांगण गुंजायमान रहा। अध्यक्ष डॉ. प्रवीण ने बताया कि महाआरती के पूर्व कार्यक्रम का आरंभ सुमित सिंह के कथक व मोनिका अग्रवाल के गणेश वंदना और समापन पूनम विष्ट के कथक नृत्य से हुआ। इसके बाद श्रीराम चरित्र नृत्य नाटिका का भव्य मंचन सत्य

समर्पण निर्देशक अमित दीक्षितरामजी के नेतृत्व में हुआ और श्रीराम के रूप में नैतिक सिंह व सीताजी के रूप में आस्था मिश्रा सहित कलाकारों ने मन मोहक रामलीला की प्रस्तुति की। वरिष्ठ समाजसेवियों में आईएएस जगनाथ सिंह, राष्ट्रकवि डॉ0 वेदव्रत बाजपेयी, अधिवक्ता एल0एम0जोशी, आदित्य द्विवेदी एवं वरिष्ठ पत्रकार पवन शर्मा, विभांशु मणि त्रिपाठी, गौरव श्रीवास्तव, विवेक शाही को सनातन शिरोमणि सम्मान से एवं हिन्दू कामगारों में अवधेश, शंभूनाथ सहित 07 कामगारों को सनातन गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान से पूर्व 15 विशिष्ट समाजसेवियों का मंच पर भारतीय संस्कृति के अनुसार जन्म दिन व विवाह वर्षगांठ भी धूमधाम से मनाई गई। बाद में महाआरती का संयोजन कर रहे महासभा के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण व महासचिव देवेंद्र शुक्ल ने बताया कि महाआरती के बाद 501 दीपो से घाट दीवाली की तरह जगमगा उठा, साथ ही बहराइच व देवरिया जैसी दंगो की घटनाओं के विरोध को लेकर संकल्प कराया गया और हस्ताक्षर अभियान के साथ संघर्ष करने का निर्णय लिया गया और सभी ने राष्ट्रीय महासचिव देवेंद्र शुक्ल व डॉ0 आहुति ओझा के नेतृत्व में दंगा मुक्त प्रदेश बनाये जाने हेतु संकल्प दीपो से सभी भक्तों को संकल्प कराया। इस भव्य कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता विकास मिश्र ने किया और भक्तों को अपनी मिमिक्री से मनोज सारस्वत ने हँसते–हँसाते धर्म का ज्ञान तमाम फिल्मी कलाकारों व राजनेताओ की आवाज में दिया।

पाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा भगवान बुद्ध की महान विरासत का सम्मान: पीएम मोदी

–एजेंसी

नयी दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अभिधम्म दिवस और पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान बुद्ध को याद किया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के अभिधम्म, उनकी वाणी, उनकी शिक्षाएं जिस पाली भाषा में विरासत के तौर पर विश्व को मिली हैं, उसी पाली भाषा को इसी महीने भारत सरकार ने शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। पाली भाषा को शास्त्रीय भाषा का ये दर्जा, पाली भाषा का ये सम्मान भगवान बुद्ध की महान विरासत का सम्मान है। उन्होंने कहा, हम नए निर्माण के साथ–साथ अपने अतीत को भी सुरक्षित कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में हम 600 से ज्यादा प्राचीन धरोहरों, कलाकृतियों और अवशेषों को दुनिया से ही हम दुनिया को और बेहतर बना सकते हैं। इससे पहले 2021 में

के अलग–अलग देशों से वापस भारत लाए हैं। इनमें से कई अवशेष बौद्ध धर्म से संबंधित हैं, यानि बुद्ध की विरासत के पुनर्जागरण में भारत अपनी संस्कृति और सभ्यता को नए सिरे से प्रस्तुत कर रहा है।प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि अभिधम्म दिवस हमें याद दिलाता है कि करुणा और सद्भावना कुशीनगर में ऐसा ही आयोजन हुआ था, ये मेरा सौभाग्य है कि वहां उस आयोजन में भी मैं शामिल हुआ था। ये मेरा सौभाग्य है कि भगवान बुद्ध के साथ जुड़ाव की जो यात्रा मेरे जन्म के साथ शुरू हुई है, वो अनवरत जारी है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले आक्रमणकारी भारत की पहचान को मिटाने में लगे थे और आजादी के बाद लोग गुलामी की मानसिकता के शिकार हो गए। भारत पर ऐसे इको–सिस्टम का कब्जा हो गया, जिसने हमें विपरीत दिशा में धकेलने का काम किया। पाली भाषा को उसका सही स्थान मिलने में सात दशक लग गए।

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत की बुद्ध में आस्था केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता की सेवा का मार्ग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से भगवान बुद्ध द्वारा बोली जाने वाली पाली भाषा अब आम बोलचाल में नहीं रह गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि संस्कृति और परंपरा की आत्मा है। उन्होंने कहा कि यह मूल भावों से जुड़ी हुई है और पाली को आज के समय में जीवित रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है।

दबंगों ने पुलिस कर्मी सहित परिवार को पीटा,4 लोग गंभीर रूप से घायल

रायबरेली। जनपद के बछरावां थाना क्षेत्र के अघौरा गांव में एक दबंग प्रधान ने पुलिसकर्मी के परिवार पर लाठी–डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में कांस्टेबल भारत, उसके पिता और भाई को गंभीर चोटें आई हैं, पुलिस ने अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की है। भारत गुजरात में क्राइम ब्रांच में कांस्टेबल के पद पर तैनात हैं, छुट्टी पर घर आए थे। इसी दौरान गांव के दबंग प्रधान ने पुरानी रंजिश के चलते अपने साथियों के साथ मिलकर उन पर हमला बोल दिया। परिवार के सदस्यों को गंभीर चोटें आई हैं। भारत के सिर पर गहरा घाव है। जबकि उसके भाई करन का हाथ टूट गया है और पिता का सिर फट गया है। हमले के बाद सभी घायलों को जिला अस्पतादल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। दबंग प्रधान पहले भी परिवार को मारने की धमकी दे चुका था।

उत्तर प्रदेश उपचुनाव: भाजपा और सपा के लिए सम्मान की लड़ाई बनी मिल्कीपुर विधानसभा सीट

–संवाददाता

लखनऊ। निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश के विधानसभा उपचुनाव की घोषणा कर दी है। प्रदेश में 10 विधानसभा सीटें खाली हैं, लेकिन आयोग ने सिर्फ नौ पर ही चुनाव कराने का निर्णय लिया है। दरअसल, रामनगरी अयोध्या की एक महत्वपूर्ण मिल्कीपुर विधानसभा पर चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। इसे लेकर राजनीतिक पार्टियों के नेताओं के बीच खींचतान चल रही है। राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी ने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी पर जानबूझकर हार के डर से इस सीट से चुनाव टालने का आरोप लगाया है क्योंकि मिल्कीपुर सीट फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र में आती है। यह वही लोकसभा क्षेत्र है जिसके अंतर्गत भव्य राम मंदिर परिसर भी आता है। भाजपा दशकों से राम मंदिर मुद्दे को चुनाव का हिस्सा बनाकर, हिंदू मतदाताओं को साधती रही है। ऐसे में राम मंदिर निर्माण के बाद 2024 लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट से भाजपा का जीतना लगभग तय माना जा रहा था, लेकिन

पार्टी को इस सीट पर हार का सामना करना पड़ा। समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने भाजपा के लल्लू सिंह को करीब 55 हजार वोटों से शिकस्त दी थी। सपा को यहां 5,54,289 वोट मिले, जबकि भाजपा को 4,99,722 मत मिले। बसपा यहां तीसरे नंबर की पार्टी बनी। अवधेश प्रसाद के सांसद बनने के बाद मिल्कीपुर विधानसभा की सीट खाली हो गई। उन्होंने 2022 विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी बाबा गोरखनाथ को करारी शिकस्त दी थी। सपा को यहां पर 1,03,905 वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 90,567 वोट मिले थे। इससे पहले 2017 विधानसभा चुनाव में भाजपा को यहां पर जीत मिली थी। मिल्कीपुर विधानसभा सीट के मतदाताओं का समीकरण देखें तो, यहां सामान्य श्रेणी के 36.04 प्रतिशत, मुस्लिम 9.48 प्रतिशत, ओबीसी 34.15 प्रतिशत और एससी के करीब 20 प्रतिशत वोटर्स हैं। साल 2022 के विधानसभा चुनाव के वक्त यहां वोटरों की संख्या तीन लाख 69 हजार के करीब थी। इसमें ब्राह्मण, यादव और पासियों की संख्या सबसे ज्यादा है। तीनों के वोट मिलाकर 50 प्रतिशत के करीब है। इसके बाद मुस्लिम और ठाकुर मतदाता चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। यादव और मुस्लिम सपा के परंपरागत वोटर्स माने जाते हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में भाजपा की जीत इतनी आसान नहीं रहने वाली है। राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि मुख्यमंत्री योगी इस सीट पर खुद नजर बनाए हुए हैं और लोकसभा चुनाव के बाद कई बार इस क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं। हालांकि, भाजपा नेता गोरखनाथ द्वारा हाईकोर्ट में डाली गई जिस याचिका की वजह से मिल्कीपुर चुनाव की घोषणा नहीं हुई है, उसको वापस लेने के लिए उन्होंने कोर्ट में अर्जी दी है, ऐसे में संभावना है कि इस सीट पर जल्द ही उपचुनाव होगा, जिसमें भाजपा और सपा की सीधी टक्कर देखने को मिल सकती है।

बहराइच हिंसा के आरोपी अब्दुल की बेटी ने एसटीएफ पर लगाया गंभीर आरोप

बोली, पिता, भाइयों, पति और देवर का कर सकती है एनकाउंटर

बहराइच। महाराजगंज निवासी मूर्ति विसर्जन दंगे के आरोपी अब्दुल की बेटी ने एसटीएफ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें उसका कहना है कि पिता, भाई, पति और देवर को एसटीएफ ने कब्जे में ले लिया है। कभी भी एनकाउंटर कर देगी। मुख्यमंत्री से रोक लगाने की मांग की है।

हालांकि इस वायरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।हरदी थाना क्षेत्र के महराजगंज में रविवार को मूर्ति विसर्जन जुलूस में पथराव के बाद फायरिंग की गई थी। फायरिंग में राम गांव थाना क्षेत्र के रेहुआ मंसूर गांव निवासी राम गोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या की वारदात महाराजगंज निवासी अब्दुल के मकान में हुई थी। साथ ही अब्दुल के बेटे सरफराज उर्फ रिंकू, फहीम पर हत्या किए जाने का आरोप लगा है। केस भी पुलिस ने

मृतक के भाई हरि मिलन की तहरीर पर दर्ज किया है। बहराइच में जिस मकान मालिक अब्दुल हमीद पर गोपाल मिश्रा पर गोली चलाने का आरोप है उनकी बेटी रुखसार बता रही है कि ष्कल 4 बजे मेरे पिता अब्दुल हमीद, मेरे दो भाई सरफराज ,फहीम और उनके साथ एक अन्य युवक को यूपी एसटीएफ ने उठा लिया है, मेरे पति और मेरे देवर को पहले उठाया जा चुका है, अब्दुल की बेटी रुखसार उर्फ शालिया ने यूपी एसटीएफ पर गंभीर आरोप लगाया है। उसका कहना है कि 14 अक्टूबर को वारदात के बाद एसटीएफ ने पति ओसामा और देवर शाहिद को उठा लिया था। उसके बाद बुधवार को पिता और भाइयों को एसटीएफ ने उठा लिया है। ऐसे में एसटीएफ सभी का एनकाउंटर करने का आरोप लगाया है। युवती ने बयान देकर जाकिर अली त्यागी के ट्विटर अकाउंट से ट्वीट करवाया है। यह ट्वीट वायरल हो रहा है। जिसमें अब्दुल की बेटी रो भी रही है।

सम्पादकीय

घाटी में महका लोकतंत्र

आखिरकार तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। बुधवार को उमर अब्दुल्ला ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनकी सार्थक पहल यह रही कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर की राजनीति के दो ध्रुव बने कश्मीर घाटी व जम्मू क्षेत्र के जनमानस को साथ लेकर चलने का संकल्प दोहराया है। इस कड़ी में उमर अब्दुल्ला ने सुरिंदर चौधरी को राज्य का उप मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। उमर ने कहा भी कि ह्यचौधरी को मैंने इसलिए उप मुख्यमंत्री बनाया, ताकि जम्मू के लोगों को महसूस हो सके कि उनकी भी राज्य की सत्ता में घाटी जितनी भागीदारी है। आगे भी ऐसे ही प्रयास होते रहेंगेह्ल निस्संदेह, यह सकारात्मक राजनीति का उज्ज्वल पक्ष है, सबको साथ लेकर आगे बढ़ने का। उल्लेखनीय है कि सुरिंदर चौधरी जम्मू से चुनकर आए हैं। नौशेरा से विधायक बने सुरिंदर चौधरी ने विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रांत अध्यक्ष रवींद्र रैना को हराया था। बहरहाल, भले ही अब अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद जम्मू-कश्मीर विधानसभा का स्वरूप पहले जैसा नहीं रह गया, लेकिन इसके बावजूद जम्मू-कश्मीर के लोगों ने स्पष्ट जनादेश देकर एक स्थिर सरकार की बुनियाद जरूर रखी है। केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह नजर आया। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। यह दायित्व सरकार को इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर के मारे मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक प्रतिसाद दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है।

सत्ता का इकबाल कायम करें मोदी

सर्वमित्रा सुरजन

नरेन्द्र मोदी सरकार के लिए इस समय आंतरिक और विदेश मामलों में कठिन परीक्षा की घड़ी चल रही है। प्रधानमंत्री मोदी से अपेक्षा है कि चुनाव में जीत-हार की फिक्र से ऊपर उठकर इस समय वे गंभीरता से हालात का मुआयना करें, विशेषज्ञों की राय लेकर फैसले करें और देश को आश्वस्त करें कि हर हाल में जनता के हितों की रक्षा होगी। मुंबई में दशहरे के दिन भीड़ भरे इलाके में अजित पवार गुट एनसीपी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई। इस हत्या की जिम्मेदारी गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई ने ली। कायदे से गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों, गृहमंत्रियों के साथ-साथ केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी कि उनकी निगरानी में जेल से एक बड़े अपराध को अंजाम दिया गया। लेकिन फिलहाल इस मामले में आरोपियों की कितनी जल्दी धर-पकड़ हो गई है इसी बात का श्रेय लूटा जा रहा है। मुमकिन है 20 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले इस मामले में कुछ लोगों को अपराधी साबित करने के सरकार की सख्ती का दावा भी ठोंका जाए। लेकिन क्या लारेंस बिश्नोई का सच सामने आ पाएगा, ये सवाल कानूनी उलझनों में फंसा हुआ है। बता दें कि लारेंस बिश्नोई को गुजरात की साबरमती जेल में रखा गया है, जो हाईप्रोफाइल मुजरिमों के लिए बनी है। इसमें किसी आरोपी से पूछताछ के लिए सख्त नियम बने हैं। लारेंस बिश्नोई पर सीआरपीसी की धारा 268 के तहत, अगस्त 2023 तक के लिए जेल से बाहर निकलने पर रोक लगी हुई थी। अब नये आदेश के मुताबिक, बीएनएसएस की धारा 303 के तहत यह पाबंदी अगस्त 2025 तक बढ़ा दी गई है। अगर कोई भी पुलिस टीम, अधिकारी या एजेंसी लॉरेंस बिश्नोई से किसी मामले में पूछताछ करना चाहती है, तो उन्हें एक न्यायिक आदेश लेकर आना होगा। साथ ही उसके खिलाफ चल रही किसी भी जांच को जेल परिसर के भीतर ही अंजाम दिया जाएगा। वैसे साबरमती जेल प्रशासन का कहना है कि लारेंस बिश्नोई जेल के भीतर से कोई गिरोह नहीं चला रहा है, उसके पास कोई मोबाइल फोन या ऐसा जरिया नहीं है, जिससे वो बाहरी दुनिया से संपर्क रख सके। मगर सिद्दीकी हत्याकांड की शुरूआती जांच में अगर लारेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया तो इसे क्या केवल साबरमती जेल प्रशासन के बयान के आधार पर नजरंदाज किया जा सकता है, यह विचारणीय है। यह तय है कि लारेंस बिश्नोई को अब पूछताछ के लिए गुजरात से बाहर नहीं लाया जाए, इसका कानूनी इंतजाम कर लिया गया है। लेकिन इसी साबरमती जेल में यूपी का माफिया डॉन अतीक अहमद भी 2019 से बंद था और पिछले साल मार्च में उसे गुजरात से यूपी शिफ्ट किया गया, इसके बाद अप्रैल में किस तरह उसे और उसके भाई को पुलिस सुरक्षा के बीच ही मार दिया गया, यह दृश्य पूरे देश ने देखा है। इस तरह की घटनाओं पर कुछ तालियां बज सकती हैं कि एक माफिया को मिट्टी में मिलाने की हिम्मत सरकार ने दिखाई, लेकिन वहीं सवाल भी उठते हैं कि जब अतीक अहमद को बाहर लाया जा सकता है तो लारेंस बिश्नोई से गुजरात के बाहर पूछताछ क्यों नहीं की जा सकती। बाबा सिद्दीकी की हत्या की घटना को केवल पैसों के लिए किए गए अपराध की तरह नहीं देखा जा सकता, क्योंकि लारेंस बिश्नोई सीधे-सीधे लोकतांत्रिक सरकार की सत्ता को चुनौती दे रहा है, ठीक वैसे ही जैसे

एक वक्त में दाऊद इब्राहिम का रवैया था। दाऊद इब्राहिम तो भारत के प्रमुख वांछित अपराधियों में शामिल है, वह आतंकवादी है। लेकिन लारेंस बिश्नोई को आतंकवादी कहने की जगह भारत के कई सोशल मीडिया हैंडल्स पर उसका महिमामंडन हो रहा है। उसे बॉलीवुड के लोगों, खालिस्तानियों, हिंदुत्व का विरोध करने वालों के लिए काल की तरह बताया जा रहा है। उसकी तस्वीर इस अंदाज में पोस्ट की जा रही हैं, मानो उसने बड़ी जांबाजी का काम किया है। एक अपराधी को नायक बनाने की यह भूल समाज को विनाश की तरफ ले जाने वाली है, क्योंकि इस तरह युवाओं को भटकाना और आसान हो जाता है। वैसे ही इस समय हमारे युवाओं का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। रोजगार और अच्छी शिक्षा की तलाश में हर बरस लाखों युवा विदेश जा रहे हैं और इनमें बड़ी संख्या कनाडा जाने वालों की है। लेकिन इस वक्त कनाडा और भारत के संबंध सबसे नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। 14 अक्टूबर को दोनों देशों ने एक-दूसरे के छह-छह राजनयिकों को निष्कासित किया है। दरअसल पिछले वर्ष कनाडाई नागरिक और सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा ने इसमें भारत की भूमिका पर सार्वजनिक तौर पर सवाल उठाए थे। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद में इस बारे में बयान दिया था। तब भारत ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था और साथ ही कनाडा को भारत-विरोधी शक्तियों को शरण न देने की सलाह दी थी। लेकिन भारत की सलाह का कोई असर कनाडा पर नहीं हुआ और अभी जस्टिन ट्रूडो ने फिर कह दिया कि भारत सरकार के अधिकारी पिछले जून में सरे में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल थे। इसके बाद कनाडाई प्रशासन ने एक प्रेस कांफ्रेंस में यह कहा कि भारत की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का गिरोह या उसके एजेंट कनाडा में इस हत्या के पीछे हैं। इस तरह कनाडा ने सीधे-सीधे भारत सरकार पर एक गैंगस्टर के साथ मिलकर काम करने का गंभीर आरोप लगाया। यह वैश्विक स्तर पर भारत का अपमान है। वहीं अमेरिका में भी अब भारत के खिलाफ इसी तरह की बातें हो रही हैं। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अगस्त में कनाडा के दौरे पर कहा था कि अमेरिका कनाडा के साथ हर स्तर पर सहयोग कर रहा है ताकि निज्जर हत्याकांड मामले की तह तक पहुंचा जा सके। उन्होंने निज्जर की हत्या को एक त्रासदी बताया था। वहीं इस मंगलवार को अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि जब कनाडाई मामले की बात आती है, तो हमने स्पष्ट कर दिया है कि आरोप बेहद गंभीर हैं और उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है। हम चाहते थे कि भारत सरकार कनाडा को उसकी जांच में सहयोग दे। उन्होंने (भारत) वह रास्ता नहीं चुना है। अमेरिका का यह रवैया बता रहा है कि फिलहाल वह भारत की अपेक्षा कनाडा की दोस्ती को तवज्जो दे रहा है। इन हालात में अब नरेन्द्र मोदी को सोचना है कि वे अमेरिकी धरती पर मोदी-मोदी के नारे सुनकर गदगद होते रहें, ओबामा से लेकर ट्रंप और बाइडेन तक सबको अपना करीबी मित्र बताते रहें या फिर भारत के हितों के बारे में सोचकर कोई कड़ी टिप्पणी इन मामलों पर करें। बेशक भारत का विदेश मंत्रालय अपनी तरफ से सख्ती दिखाने की पूरी कोशिश कर रहा है। उसके प्रवक्ता भारत पर लग रहे आरोपों पर कड़ा जवाब दे रहे हैं। लेकिन ये वक्त पं.नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी की तरह पश्चिमी ताकतों, खासकर अमेरिका को जवाब देने का है। अगर कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों से प्रेरणा लेने में श्री मोदी को असुविधा हो तो पोरस की मिसाल भी इतिहास के पन्नों में दर्ज है। 340 ईसा पूर्व से 315 ईसा पूर्व तक झेलम से लेकर चिनाब तक फैले पंजाब-सिंध प्रांत में पोरस का साम्राज्य फैला था और विश्वविजय पर निकले सिकंदर के अभियान को पोरस की कड़ी चुनौती मिली थी। ऐतिहासिक कथा के मुताबिक दोनों के बीच हुए युद्ध के बाद जब पोरस को बंदी बनाकर सिकंदर के सामने पेश किया गया, तब पोरस ने सिकंदर से कहा था कि उनके साथ वही सलूक करना चाहिए जो एक राजा, दूसरे राजा के साथ करता है। इस कथा में तथ्य कितना है, यह अलग पड़ताल का विषय है, लेकिन अंतराष्ट्रीय संबंधों और राजनयिक शिष्टाचार में सम्मान और बराबरी का सबक इससे जरूर लिया जा सकता है।

क्रियान्वयन के 19 वर्षों के बाद आरटीआई अधिनियम के रिकॉर्ड पर एक नजर

शैलेश गांधी

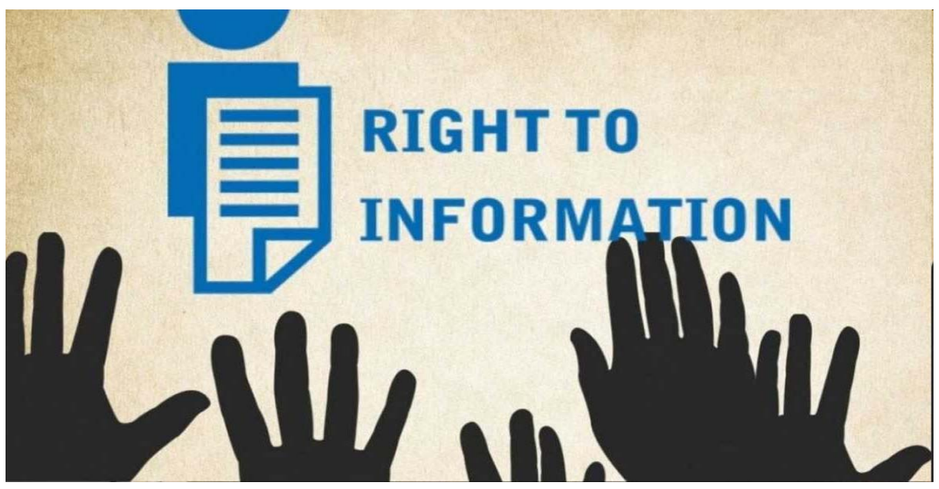

सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम ने 12 अक्टूबर, 2024 को 19 वर्ष पूरे कर लिये। जब इसे पहली बार लागू किया गया था, तो इसने नागरिकों में बहुत उत्साह पैदा किया था, जिन्होंने अपनी सरकार से जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की संभावना देखी थी। हम भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं, लेकिन इसका आम नागरिकों के लिए कल्याण और सुशासन में परिवर्तन अभी तक नहीं हुआ है। लोकतंत्र को श्लोगों द्वारा लोगों के लिए लोगों का शासनश के रूप में परिभाषित किया जाता है, लेकिन सच्चाई यह है कि जब कोई आम नागरिक किसी सरकारी कार्यालय में जाता है, तो वह अक्सर आहत, अपमानित और निराश महसूस करता है। पहली बार, हमारे पास ऐसा कानून था जो व्यक्तिगत नागरिक की संप्रभुता को मान्यता देता था और नागरिक की सरकार और सभी लोक सेवकों पर सर्वोच्चता को भी स्वीकार करता था। इसने इस तथ्य को भी मान्यता दी कि सरकार के पास नागरिकों की ओर से सभी जानकारी होती है। सशक्त नागरिक अपनी शिकायतों के निवारण और भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए आरटीआई का इस्तेमाल करते थे। आरटीआई अधिनियम में ऐसी सूचनाओं की सूची नहीं है, जिन्हें नागरिक प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि इसमें ऐसी सूचनाओं की एक छोटी नकारात्मक सूची है, जिन्हें नागरिक को देने से मना किया जा सकता है। बाकी सभी सूचनाओं को नागरिकों के साथ साझा किया जाना था। यह दुनिया के सबसे बेहतरीन पारदर्शिता कानूनों में से एक था, लेकिन यह वायदा किये गये परिणाम और बेहतर शासन नहीं दे रहा है, क्योंकि विभिन्न उपाय और उन्हें लागू करने वाले अनेक अधिकारी कानून का पालन नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसे विकृत कर रहे हैं। यह अधिनियम मानता है कि सभी मौजूदा सूचनाएं किसी नागरिक को मांगे जाने पर दी जानी चाहिए और अगर कोई लोक

सेवक बिना उचित कारण के 30 दिनों के भीतर सूचना देने से मना करता है, तो उस पर व्यक्तिगत जुमार्ना लगाया जा सकता है। असंतुष्ट नागरिकों के लिए, यह विभाग के भीतर एक वरिष्ठ अधिकारी के पास अपील करने का प्रावधान करता है और यदि यह संतोषजनक नहीं है, तो कानून सूचना आयोग के रूप में एक दूसरा अपीलीय प्राधिकरण बनाता है। इसने आयोगों को अपने आदेशों को लागू करवाने के लिए पर्याप्त अधिकार दिये। सूचना आयुक्तों का चयन प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और केंद्रीय आयोग के लिए एक अन्य मंत्री और राज्य आयोगों के लिए मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और एक अन्य मंत्री वाली समिति द्वारा किया जाना था। यह आरटीआई अधिनियम की कमजोर कड़ी बन गयी। आयुक्तों का चयन बिना किसी पारदर्शी प्रक्रिया के किया गया और, ज्यादातर मामलों में, पद ऐसे लोगों को दिये गये जो नौकरशाही और राजनीतिक नेटवर्क में काम कर सकते थे। नतीजतन, बड़ी संख्या में ऐसे आयुक्तों का चयन किया गया, जिन्हें न तो पारदर्शिता के प्रति कोई झुकाव था और न ही इसके प्रति कोई प्रेम। उनमें से कई ने इन पदों को सेवानिवृत्ति के बाद की नौकरी या सेवा में रहते हुए किए गये उपकारों के पुरस्कार के रूप में देखा। वे संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) से उत्पन्न होने वाले मौलिक अधिकार के रूप में सूचना के अधिकार के महत्व को नहीं पहचानते या समझते थे। कानून में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि सूचना मांगने के लिए कोई कारण बताने की आवश्यकता नहीं है। आयुक्तों और न्यायालयों ने आवेदकों से यह पूछना शुरू कर दिया कि वे सूचना क्यों चाहते हैं। यदि उत्तर उन्हें संतुष्ट नहीं करता, तो वे आवेदकों को सूचना देने से इनकार कर देते हैं। यह इस तथ्य से और भी बढ़ गया है कि देश में कई आयुक्त किसी भी गंभीरता से काम नहीं करते हैं। उनमें से कई सप्ताह में 40 घंटे भी काम नहीं करते हैं। अधिकांश मामलों में मामलों का निपटारा बिल्कुल अस्वीकार्य है।

कई आयुक्त एक महीने में 50 से 100 मामलों का निपटारा करते हैं। उन्हें प्रति माह लगभग 400 से 500 मामलों का निपटारा करना चाहिए, जैसा कि कुछ करते हैं। एक बेंचमार्क के रूप में, मैं उल्लेख कर सकता हूं कि भारतीय उच्च न्यायालयों में मामलों का औसत निपटान, जो अधिक जटिल हैं, प्रति माह 200 मामलों से अधिक है। सूचना आयोगों में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है और आयोगों में आरटीआई मामलों में छह महीने से चार साल तक की देरी हो रही है। नागरिकों की कानून को लागू करने में रुचि कम हो रही है और लोक सेवक कानून में उल्लिखित अपने कर्तव्यों की उपेक्षा करने लगे हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि नागरिकों का कानून में विश्वास खत्म हो रहा है। आरटीआई को एक और बड़ा झटका आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(जे) की घोर गलत व्याख्या है। इस धारा का उद्देश्य ऐसी सूचना को छूट देना था जो किसी व्यक्ति की निजता पर आक्रमण करती हो। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि निजता को परिभाषित करना कठिन हो सकता है, भारतीय संसद ने इस धारा को सावधानीपूर्वक और कुशलता से तैयार किया था।

यह धारा श्ऐसी सूचना को छूट देती है जो व्यक्तिगत सूचना से संबंधित है, जिसके प्रकटीकरण का किसी सार्वजनिक गतिविधि या हित से कोई संबंध नहीं है, या जो व्यक्ति की निजता पर अनुचित आक्रमण करेगी जब तक कि केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी या राज्य लोक सूचना अधिकारी या अपीलीय प्राधिकारी, जैसा भी मामला हो, संतुष्ट न हो कि व्यापक सार्वजनिक हित ऐसी सूचना के प्रकटीकरण को उचित ठहराता है। बशर्ते कि वह सूचना, जिसे संसद या राज्य विधानमंडल को देने से इनकार नहीं किया जा सकता है, किसी भी व्यक्ति को देने से इनकार नहीं किया जायेगा। आम तौर पर,सार्वजनिक अभिलेखों में अधिकांश जानकारी सार्वजनिक गतिविधि से उत्पन्न होती है। जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) को यह तय करना होता है कि क्या यह निजता का उल्लंघन है। निजता का संबंध घर के भीतर के मामलों, व्यक्ति के शरीर, यौन वरीयताओं आदि से है। यह संविधान के अनुच्छेद 19(2) के अनुरूप है। फिर पीआईओ को अपना व्यक्तिपरक निष्कर्ष दर्ज करना चाहिए कि वह संसद या राज्य विधानसभा को मांगी गयी जानकारी नहीं देगा। दुर्भाग्य से कई लोक सेवक, आयुक्त और अदालतें केवल यह कहकर सूचना देने से इनकार कर देती हैं कि यह व्यक्तिगत जानकारी है। यह कानून या संविधान के अनुरूप नहीं है। यह अनुच्छेद 19 (1)(ए) के तहत नागरिकों के मौलिक अधिकारों के लिए एक बड़ा नुकसान हो सकता है।

उत्तर प्रदेश के उप चुनाव में बीजेपी-सपा फ्रंट

उत्तर प्रदेश की रिक्त दस में से नौ विधानसभा सीटों पर 20 नवबंर को उपचुनाव कराने का फैसला लेकर चुनाव आयोग ने चुनाव की तारीखों को लेकर चल रहे सभी कयासों पर विराम लगा दिया है। बीजेपी, समाजवादी पार्टी ने अपनी-अपनी बिसात बिछा दी है। दिग्गजों के हाथ में चुनाव की कमान सौंपने के दोनों ही दल प्रत्याशियों के चयन में भी सतर्कता बरत रहे है। सपा ने राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव सहित कई दिग्गजों को अगस्त में ही छह सीटों का चुनाव प्रभारी बनाकर चुनावी बिगूल फूंक दिया है। इन छह सीटों पर ही अब तक सपा ने अपने प्रत्याशी भी घोषित किए हैं। अब शेष चार सीटों में से सपा दो और पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। सपा गठबंधन में गाजियाबाद सदर सीट कांग्रेस को दे सकती है। सूत्रों के मुताबिक अलीगढ़ की खैर सीट के लिए भी सपा व कांग्रेस में बात चल रही है।

उत्तर प्रदेश की जिन नौ सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की गई, उनमें वर्ष 2022 के चुनाव में चार सीटें करहल, कटेहरी, कुंदरकी व सीसामऊ सपा ने जीती थीं। मीरापुर सीट पर आरएलडी ने सपा के साथ गठबंधन में जीत दर्ज की थी। सपा ने शिवपाल सिंह यादव को कटेहरी सीट की कमान सौंपी है। फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को मिल्कीपुर सीट का प्रभारी बनाया है। हालांकि, इस सीट पर अभी उपचुनाव घोषित नहीं हुआ है। चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह को मझवां, पूर्व मंत्री चंद्रदेव यादव को करहल, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज को फूलपुर और विधायक राजेंद्र कुमार को सीसामऊ सीट का प्रभारी बनाया गया है। सपा ने अब तक गाजियाबाद, खैर, मीरापुर और कुंदरकी सीट पर अपने प्रभारी घोषित नहीं किए हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने करहल सीट जीती थी। अखिलेश यादव ने भतीजे तेज प्रताप यादव को करहल से उतारा है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी राजलक्ष्मी यादव के पति तेज प्रताप यादव वर्ष 2014 में मैनपुरी सीट से सांसद चुने गए थे। इस बार लोकसभा चुनाव में उनको कन्नौज से प्रत्याशी घोषित किया गया था, हालांकि अंतिम समय में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चुनाव मैदान में उतर आए थे।

कानपुर की सीसामऊ सीट से सपा के इरफान सोलंकी पिछली बार विजयी हुए थे। कोर्ट से मिली सजा के चलते विधायकी गंवाने वाले इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी इस सीट से उपचुनाव लड़ेंगी। तीन बार के विधायक रह चुके मुज्तबा सिद्दीकी को फूलपुर, अंबेडकरनगर से सांसद बनने के बाद लालजी वर्मा की सीट कटेहरी पर उनकी पत्नी शोभावती वर्मा और मीरजापुर की मझवां सीट से डा. ज्योति बिंद सपा प्रत्याशी होंगी। डॉ. ज्योति बसपा से तीन बार विधायक और भदोही से भाजपा के सांसद रहे डॉ. रमेश बिंद की बेटी हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सभी सीटों पर अपनी यूथ विंग को जुटने के निर्देश दिए हैं। वह खुद भी उप चुनाव की कमान संभालेंगे। अखिलेश उपचुनावों में प्रचार से दूरी बनाकर रखते हैं। उधर, लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन से झटका खा चुकी भाजपा के लिए उपचुनाव अग्निपरीक्षा माना जा रहा है। पार्टी इस चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर लोकसभा चुनाव का हिसाब चुकता करने के साथ ही विधानसभा चुनाव के लिए बड़ा संदेश देना चाहती है। उपचुनाव की तारीखों के एलान से पहले ही सत्ताधारी दल ने जमीनी मोर्चे पर अपने सभी मंत्रियों की तैनाती कर दी थी। रालोद का साथ भाजपा की उम्मीदों को और परवान चढ़ा रहा है। अखिलेश यादव के जिस पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की रणनीति ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को चौंकाया था, उससे पार्टी अब काफी हद तक उबर चुकी है। इसके अलावा कांग्रेस और सपा द्वारा पिछड़ों और दलितों में फैलाए गए आरक्षण के भ्रम को भी दूर करने में कुछ हद तक सफल रही है। उप चुनाव में भाजपा की सीधी रणनीति अपनी सभी सीटों को बचाए रखने के साथ ही विपक्षी खेमें में सेंध लगाने की है। इन सीटों पर योगी सरकार के 30 मंत्रियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें 14 कैबिनेट और 16 राज्यमंत्री हैं। बीजेपी और सपा के साथ-साथ लोकसभा चुनाव में सपा के साथ मिलकर प्रदेश में अप्रत्याशित परिणाम हासिल करने के बाद कांग्रेस की नजर विधानसभा उपचुनाव पर भी है। उपचुनाव में सीटों पर कांग्रेस की हिस्सेदारी भले ही कम होगी पर पार्टी आने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अपनी सक्रियता बनाए रखने का पूरा प्रयास कर रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहले भी यह साफ कर चुके हैं कि उनकी पार्टी का लक्ष्य भाजपा को हराना है।

भाजपा अपने आंतरिक सर्वे में मिल्कीपुर हार रही थी, इस कारण टले चुनाव: अखिलेश यादव

–संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मिल्कीपुर चुनाव को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपनी संभावित हार से बचने के लिए मिल्कीपुर का चुनाव टाल दिया, क्योंकि वह अपने आंतरिक सर्वे में हार रहे थे। अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ में महर्षि वाल्मीकि की जयंती के मौके पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बीतचीत के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री और प्रशासन के अधिकारी कई बार मिल्कीपुर गए। उन्हें पता चला कि वे हार रहे हैं। इसके बाद चुनाव को टालने का निर्णय लिया गया। अब अपनी बदनामी बचाने के लिए कोर्ट

और निर्वाचन आयोग का चक्कर लगा रहे हैं। जिससे वहां चुनाव हो जाए। इसके अलावा अखिलेश यादव ने कहा कि बहराइच में क्या प्रशासन को जानकारी नहीं थी वहां क्या-क्या हो रहा है। अब प्रशासन और शासन मिलकर के अन्याय कर रहा है। मैं कल महाराष्ट्र जा रहा हूं और इंडिया गठबंधन वहां जीते इसपर जोर है। हमारी कोशिश होगी कि हम इंडिया गठबंधन के साथ चुनाव लड़ें। हमने सीटें मांगी हैं और हमें उम्मीद है कि जहां हमारे दो विधायक थे वह हमें ज्यादा सीटें देंगे। हम वहां पर मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ उत्तर प्रदेश में गठबंधन को लेकर जल्दी तय हो जाएगा कि हमें कितनी सीटों पर चुनाव लड़ना है। राजनीति में साथ आना साथ काम करना यह बहुत अच्छी परंपरा है। जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की पहली जीत हुई है। जम्मू-कश्मीर को अब पूरे राज्य का दर्जा मिल जाना चाहिए। जो लोग डिवाइड एंड रूल करना चाहते हैं वह सोची समझी साजिश के तहत समाज को बांटने का काम कर रहे हैं। जिन्होंने अंग्रेजों से डिवाइड एंड रूल सीखा हो उनसे आप क्या उम्मीद कर सकते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि जिस तरह नेताजी ने और समाजवादी पार्टी ने वाल्मीकि जयंती पर छुट्टी की थी। वाल्मीकि समाज को जो सुविधा, जो सम्मान मिलना चाहिए, वो हम सत्ता में आने पर उन्हें देंगे। वाल्मीकि जी का समाज में पूजनीय स्थान है। उन्हें भगवान का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने रामायण के माध्यम से हमें जो सीख दी, उस प्रेरणा से आज हम संकल्प लेते हैं कि समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त कर सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलेंगे।

एनएसयूआई ने मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के खिलाफ किया प्रदर्शन, तस्वीर पर पोती कालिख

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज में एनएसयूआई के छात्रों ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। छात्रों ने मंत्री दिनेश प्रताप सिंह की तस्वीर पर कालिख पोती और मुदार्बाद के नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने छात्रों को हिरासत में लिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मंत्री अपने बयान पर मांफी मांगें। कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा उनके घर पर प्रदर्शन और नेम प्लेट पर कालिख पोतने के बाद मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

हरियाणा में फिर नायब सिंह सैनी की सरकार, सीएम योगी ने दी शुभकामनाएं

–संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा में नायब सिंह सैनी के सीएम पद की शपथ लिये जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नायब सिंह सैनी जी को हरियाणा राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन तथा आपके यशस्वी नेतृत्व में श्विकसित हरियाणा-विकसित भारत की संकल्पना साकार होगी। आप को बता दें कि हरियाणा में भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने के बाद नायब सिंह सैनी गुरुवार को चंडीगढ़ में हरियाणा के 20वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लिया। भाजपा विधायक कृष्ण कुमार बेदी ने सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा और पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने इसका समर्थन किया। नेता नायब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को पंचकूला में आयोजित एक समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई नेता शामिल हुए। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने अनिल विज, कृष्ण लाल पंवार और राव नरबीर सिंह को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आज का दिन चुना जाना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस दिन वाल्मीकि जयंती है। ऋषि वाल्मीकि हिंदू महाकाव्य रामायण के रचयिता हैं और दलितों के बीच विशेष रूप से पूजनीय हैं। हरियाणा में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 14 मंत्री हो सकते हैं। इस अवसर पर राजग शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह भी मौजूद रहे। हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने के साथ-साथ सैनी ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है।

यूपी के युवाओं को दंगों में फंसा रही भाजपा: संजय सिंह

–संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह गुरुवार को लखनऊ पहुंचे। यहां वो प्रेस कॉफ्रेंस के दौरान उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठाए। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा नेता बार-बार यह दावा करते हैं कि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था अच्छी है, लेकिन बहराइच और देवरिया की घटना को देखकर यह दावा संदिग्ध लगता है। संजय सिंह ने कहा भाजपा जब चुनाव हारती है, तब झगड़ा कराती है। प्रदेश ही नहीं देश के भीतर जितने भी झगड़े हो रहे लोकसभा चुनाव में हार के बाद कराए जा रहे हैं। बहराइच, अलीगढ़ और देवरिया में नफरत फैलाने का काम किया जा रहा है। संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश के युवाओं की बेरोजगारी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा युवाओं को नौकरी नहीं दी जा रही। इस वजह से कई युवा आत्महत्या कर रहे हैं। अमित शाह के बेटे जय शाह को बीसीसीआई का अध्यक्ष बनाया जाता है और यूपी के युवाओं को दंगों में फंसाया जाता है। भाजपा कभी नहीं बताती कि उत्तर प्रदेश में कितने स्कूल और अस्पताल बनाए हैं। अंबानी और अडानी को ठेके दिए जा रहे हैं, जबकि पूरे यूपी के युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के समय राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और वर्तमान राष्ट्रपति को नहीं बुलाया गया। यह दशार्ता है कि भाजपा के नेताओं की हिंदू धर्म की परिभाषा क्या है। संजय सिंह ने बहराइच की घटना को निंदनीय बताते हुए कहा हिंदू या मुसलमान जो भी नफरत फैलाने का काम करें, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, विदेश मंत्री बताए वह क्या करके आए हैं

–संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस से राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने गुरुवार को उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस.जयशंकर की स्पीच, हरियाणा में दूसरी बार नायब सैनी के मुख्यमंत्री पद की शपथ सहित भारत और कनाडा के रिश्तों पर प्रतिक्रिया दी।

विदेश मंत्री डॉ. एस.जयशंकर के भाषण पर प्रमोद तिवारी ने कहा, हमें चाहिए कि जब विदेश मंत्री बाहर गए हैं तो वो विरोधी दल के जो नेता हैं उन्हें बताएं। हम मीडिया की खबरों पर क्या प्रतिक्रिया दें। हमारे देश पर पाकिस्तान हमेशा से आतंकवादी गतिविधियां बढ़ाता रहा है। इससे पहले पूर्व में स्वर्गीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज पाकिस्तान गई थीं। उन्होंने पाकिस्तान से लौटने के बाद नहीं बताया था वहां क्या किया। वर्षों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी बिन बुलाए पाकिस्तान पहुंच गए। वहां उन्होंने क्या किया। यह नहीं बताया गया। हमें मीडिया से मिलने वाली खबरों को नहीं मान सकते हैं कि वह सही है या गलत है। हरियाणा में नायब सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, एक विवादास्पद चुनाव में एक विवादास्पद परिणाम के साथ वह जीते हैं। उन्हें किसानों की समस्या पर ध्यान देने की जरूरत है। महंगाई, बेरोजगारी पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन, भाजपा को सिर्फ एक मेगा इवेंट बनाना है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आदत है। भारत और कनाडा के रिश्ते एक बार फिर तल्ख हो गए हैं। इस पर प्रमोद तिवारी ने कहा, राष्ट्रहित में हम देश के साथ हैं। मैं समझता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी विपक्षी दलों को बुलाएं बातचीत करें। क्योंकि, हमारे पास जो जानकारी है वह मीडिया पर आधारित है। मीडिया से आधारित जानकारी पर हम क्या प्रतिक्रिया दें। देश के प्रधानमंत्री को हम भरोसा दिलाते हैं कि राष्ट्रहित के लिए पूरा देश एक साथ खड़ा रहेगा। कनाडा को कोई अधिकार नहीं है कि वह हम पर झूठे आरोप लगाए।

हिन्दू महासभा त्रिदंडी ने महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों पर चलने की अपील की

–संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारत हिन्दू महासभा त्रिदंडी ने भगवान महर्षि वाल्मीकि के प्राकट्योत्सव पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए देशवासियों से महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों पर चलने की अपील की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि जेहाद और आतंकवाद के रूप में राक्षसी शक्तियां आज भी मौजूद हैं और नरसंहार करते हुए मानव जाति के लिए बड़ा खतरा बनी हुई हैं। उन्होंने देशवासियों से महर्षि वाल्मीकि प्राकट्योत्सव पर जेहाद और आतंकवाद के समूल सर्वनाश का संकल्प लेकर मानव जाति की रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री त्रिवेदी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र को जन जन तक पहुंचाया और श्रृष्टि के प्रथम कवि अर्थात आदि कवि कहलाए। महर्षि वाल्मीकि ने सदैव राक्षसी और आसुरी शक्तियों का मर्दन कर मानव जाति के कल्याण, प्रगति और सुख समृद्धि को प्राथमिकता दी। भगवान श्री राम ने अपने जीवन में भगवान वाल्मीकि की शिक्षा को आत्मसात कर राक्षस रावण और उनकी सत्ता का सर्वनाश कर मानव जाति की रक्षा की। उन्होंने वाल्मीकि समाज को सनातन धर्म और सनातन संस्कृति में योद्धा जाति और गौरव बताते हुए सनातन समाज से जातिवाद को समाप्त करने का उद्घोष किया। उन्होंने कहा कि जेहाद मुक्त भारत निर्माण के धर्मयुद्ध में वाल्मीकि समाज महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

रामायण में निहित जीवन मूल्य आज भी प्रासंगिक: प्रोफेसर उमाशंकर

–संवाददाता

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेंद्र नगर लखनऊ के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में कार्तिक शरद पूर्णिमा को महाविद्यालय प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता में वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में विशिष्ट विद्वत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता प्रोफेसर उमाशंकर त्रिपाठी विभागाध्यक्ष संस्कृत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महोबा उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संयोजन एवं मंगलाचरण महाविद्यालय की संस्कृत विभाग की सह आचार्या डॉक्टर वंदना द्विवेदी द्वारा किया गया। संस्कृत छात्रा प्रतिभा द्विवेदी के द्वारा मूल रामायण का सस्वर पाठ किया गया । महाविद्यालय की प्राचार्या द्वारा मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र , पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर त्रिपाठी ने ष्वाल्मीकि रामायण में निहित जीवन मूल्य विषय ष्पर अपना व्याख्यान

प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि रामायण लौकिक संस्कृत साहित्य का आदि महाकाव्य है इसमें भातृ प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण वर्णित है रामायण में जीवन के विभिन्न परिस्थितियों का चित्रण किया गया है एवं मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम ने मानव जीवन जीने की कला बताई है रामायण में माता-पिता की आज्ञा पालन करने की सीख दी गई है तथा साथ में रामायण यह भी शिक्षा देती है कि हमें हर परिस्थितियों में संयम रखना चाहिए रामायण में भगवान राम को मयार्दा पुरुषोत्तम कहा गया है, और मयार्दा पुरुषोत्तम के बताए हुए हमें आदर्श चरित्र एवं शिक्षा को अपनाना चाहिए जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का चित्रण रामायण में पात्रों के द्वारा भिन्न भिन्न परिस्थितियों में प्रस्तुत किया गया है। जिससे आज भी भारतीय समाज प्रेरणा प्राप्त करता है। औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय द्वारा किया गया और प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि विरचित रामायण हमें धर्म के मार्ग पर चलना सिखाता है। राम नाम जपने से भवसागर तर जाते है और परमधाम मुक्ति का यही एकमात्र उपाय है। कलयुग केवल नाम अधारा जपत निरंतर नर होई है पारा। राम साक्षात धर्म के विग्रह है, और रामकथा सभी मनोरथों को पूर्ण करने की संजीवनी बूटी है। इस अवसर पर जंतु विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा प्रोफेसर ऋचा शुक्ला, हिंदी विभागाध्यक्षा प्रोफेसर मंजुला यादव, समाजशास्त्र की विभागाध्यक्षा डॉ विनीता सिंह ,प्रोफेसर संगीता शुक्ला, प्रोफेसर अंबिका बाजपेई, प्रोफेसर नीतू सिंह ,प्रोफेसर सुषमा त्रिवेदी, प्रोफेसर सीमा सरकार,डॉक्टर आभा पाल, डॉ श्वेता उपाध्याय, डॉ नेहा अग्रवाल आदि सम्मानित प्रवक्तागण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर वंदना द्विवेदी के द्वारा किया गया।

बीकाजी फूड्स ने बीकाजी खाओ, लंदन जाओ अभियान में विजेताओं का जश्न मनाया

–संवाददाता

लखनऊ। दीपावली के इस उत्सव के मौसम में, बीकाजी खाओ, लंदन जाओ अभियान के तहत

विजेताओं की खुशियों की लहर चल रही है। अब तक, 8 भाग्यशाली विजेताओं ने लंदन यात्रा, 50 से अधिक ने सैमसंग टीवी, 100 से अधिक ने सैमसंग ट्रॉली और 20 से अधिक विजेताओं ने टीवीएस जुपिटर स्कूटर जीते हैं। सितंबर में शुरू हुआ यह अभियान उपभोक्ताओं के दिलों को छू रहा है। विशेष चिह्नित उत्पादों की खरीद पर, उपभोक्ताओं को न केवल सुनिश्चित उपहार मिलते हैं, बल्कि उच्च मूल्य वाले पुरस्कार भी जीतने का मौका मिलता है। हाल ही में विभिन्न राज्यों में आयोजित समारोहों ने विजेताओं का सम्मान किया, जिससे सामुदायिक भावना और उत्सव का माहौल बना। बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के सीओओ, मनोज वर्मा ने कहा, ह्लयह देखना दिल को छू लेने वाला है कि हमारे ग्राहक दीपावली के इस समय में अपनी जीत का जश्न मना रहे हैं। बीकाजी खाओ, लंदन जाओ अभियान सिर्फ प्रचार का नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के लिए यादगार अनुभव बनाने का माध्यम है। बीकाजी फूड्स की उपाध्यक्ष मार्केटिंग, नेहा राव ने कहा, ह्लहमारे विजेताओं की खुशी हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।

निठारी गांव में हवाई फायरिंग,छत से केबल गुजरने को लेकर हुआ विवाद, मामले की जांच कर रही पुलिस

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-20 थाना क्षेत्र के निठारी गांव में बुधवार देर रात दो पक्षों में केबल तार छत से निकालने और इसके लेनदेन के विवाद में फायरिंग हो गई। पीड़ित के आरएलडी पार्टी से जुड़ा होना सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। एसीपी प्रथम नोएडा प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर-20 थाना पुलिस को निठारी गांव में झगड़ा होने की सूचना मिली। तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्राथमिक जांच में सामने आया कि अमित अवाना का केबल छत से निकालने को लेकर संजय अवाना से विवाद हो गया। आरोप है कि संजय केबल निकलने के लेकर रुपए की मांग कर रहा था। लेकिन पीड़ित पक्ष रुपए देने से इनकार कर रहे थे। आरोपित बुधवार रात को घर पर आए और मारपीट करते हुए घर में तोड़फोड़ करते हुए धमकी दी। आशंका है कि इसी विवाद में फायरिंग की गई। हालाकिं पुलिस ने गोली चलने से इनकार किया। पुलिस ने अमित की ओर से मारपीट, तोड़फोड़ और धमकी देने की शिकायत मिलने की बात बताई है।

जुबिली कालेज में मेन्टल वेलनेस पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

–संवाददाता

लखनऊ। खुशी संस्था नयी दिल्ली के सौजन्य से तथा समग्र शिक्षा माध्यमिक के सहयोंग से मानसिक स्वास्थ्य कल्याण विषय पर शिक्षकों के लिये पांच दिवसीय कार्यशाला मनोबल का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। दिनांक पन्द्रह अक्टूबर से आयोजित इस कार्यशाला के द्वितीय चरण का आयोजन राजकीय जुबिली कालेज में चल रहा है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य विषय पर प्रशिक्षित कर विद्यालयों में एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाय, जिससे छात्रों के अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिले ।समग्र शिक्षा माध्यमिक के जिला समन्वयक संतोष मिश्रा ने मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला मनोबल के उद्देश्यों के बारे में बताया। इस अवसर पर खुशी टीम की राष्ट्रीय मनोबल मास्टर ट्रेनर श्रुति बाली, परियोजना निदेशक गीता भट्ट साथ मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षक निमिषा नवल, समन्वयक राघवेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित थे। प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर भाग लेने वाले शिक्षकों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।

व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की प्रदेश के सभी जनपदों में मासिक बैठक होगी: पुलिस महानिदेशक

–संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश पदाधिकारियों की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश संदीप बंसल के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के साथ पुलिस मुख्यालय में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई संदीप बंसल ने व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ के प्रभावी बनाए जाने पर पुलिस महानिदेशक का आभार व्यक्त किया साथ ही उनसे मांग की की उत्तर प्रदेश के अभी आधे जनपदों में बैठक नहीं हो पा रही हैं उन्होंने सभी थानों में पुलिस द्वारा व्यापारियों के साथ अत्यंत

सम्मानजनक व्यवहार किए जाने साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए कार्यशालाएं आयोजित किए जाने एवं सराफा व्यापारियों को विशेष सुरक्षा प्रदान किए जाने की बात कही उन्होंने उत्तर प्रदेश के सीतापुर मेरठ तथा बागपत जनपदों के व्यापारी प्रतिनिधियों के मामले भी पुलिस महानिदेशक के समक्ष रखें पुलिस महानिदेशक ने व्यापारी प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया की उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की मासिक बैठक आयोजित होगी जिन जनपदों में बैठक आयोजित नहीं हो रही है उनकी सूचना वह एकत्र करवाते हैं उन्होंने यह भी कहा कि इन बैठकों में साइबर अपराध से संबंधित कार्यशालाएं भी आयोजित करवाई जाएगी पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने व्यापारी समाज से स्वयं भी लालच के चक्कर में न पडकर साइबर अपराधों से बचने की सलाह दी।

बेसहारा बच्चे भी जी सकेंगे बेहतर जिंदगी, भीख मांगने और बालश्रम पर लगेगी रोक

लखनऊ। लखनऊ मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें बेसहारा, बेघर बच्चों और उनके परिवार को बेहतर जीवन देने के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में मंडलायुक्त ने कहा बेसहारा बच्चों के भविष्य को सुरक्षित किया जाए। उनकी शिक्षा और जीवन यापन में सुधार लाने के लिए सभी को आगे आना होगा। यह तभी संभव होगा जब समाज के सभी वर्ग सार्थक प्रयास करेंगे। बैठक में यह तय किया गया कि समाज कल्याण विभाग और डूडा द्वारा स्लम बस्तियों में कैंप लगाकर पात्र बच्चों को चिन्हित किया जाएगा। ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। मंडलायुक्त ने जनता को जागरूक करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया कि भिक्षावृत्ति को बढ़ावा न दिया जाए।

जिले में कई थाना प्रभारी के कार्य क्षेत्र में किया गया बदलाव

हर पल निगाहें संवाददाता

रायबरेली- एसपी के निदेर्शानुसार जिले के कई थाना प्रभारी के कार्य क्षेत्र में बदलाव किया गया है। यह बदलाव कानून व्यवस्था को सुधारने और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए किए गये हैं।

जिसमें मिल एरिया थाना प्रभारी संजय सिंह को लालगंज कोतवाली थाने का प्रभारी बनाया गया है, लालगंज कोतवाली प्रभारी रहे संजय कुमार को ऊंचाहार कोतवाली प्रभारी और खीरों थाना प्रभारी देवेंद्र भदौरिया जिन पर एस.आई.टी की जांच चल रही उन्हें महाराजगंज थाना प्रभारी बनाया गया है।

इसी प्रकार इंस्पेक्टर बालेंद्र गौतम को महाराजगंज कोतवाली से खीरों थाना भेजा गया है,साथ ही इंस्पेक्टर अनिल सिंह को ऊंचाहार थाने से डीह थाना भेजा गया है, इंस्पेक्टर जगदीश यादव को मॉनिटरिंग सेल से महाराजगंज थाना कोतवाली भेजा गया है,इसके साथ ही इंस्पेक्टर बृजेश सिंह को गुरबक्श गंज थाने का प्रभारी बनाया गया है। फर्जी लूट कांड का पदार्फाश करने वाले गदागंज थाना प्रभारी राकेश चंद्र को मॉनिटरिंग सेल भेजा गया है।साथ ही इंस्पेक्टर पंकज त्यागी को गदागंज थाना प्रभारी बनाया गया है,इसी तरह हरचंदपुर थाने में बदलाव किया गया है,यहां इंस्पेक्टर संतोष सिंह को अपराध शाखा से हरचंदपुर थाना प्रभारी बनाया गया है,हरचंदपुर में पदस्थ रही उपनिरीक्षक बबीता पटेल को भदोखर थाना प्रभारी बनाया गया है, महिला थाना प्रभारी पुष्पा देवी को शहर कोतवाली भेजा गया है,इसके साथ ही उपनिरीक्षक किरण भास्कर को थाना प्रभारी बनाया गया, आइजीआरएस प्रभारी इंस्पेक्टर जावेद अख्तर डायल 112 का प्रभार दिया गया है।

नाबालिक ने की आत्महत्या, परिजनों में मचा कोहराम

रायबरेली। जिले के हरचंदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मुबारकपुर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब खेत की रखवाली करने गई दलित नाबालिक युवती शिवानी पिता दिनेश कुमार उम्र 16 वर्ष ने आम के पेड़ पर दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

आसपास के लोगों ने जब फांसी के फंदे से लटकता हुआ युवती को दिखा तो उनके परिजनों को सूचना दी। बेटी की मौत से माँ सदमे में है। फिलहाल आत्महत्या का कारण ग्राम वासियों द्वारा प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है वही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आज सुबह युवती खेतों की रखवाली करने गई थी तभी उसने फांसी के फंदे से लटकर जीवन लीला खत्म कर ली पिता दिनेश मजदूरी करता है और परिवार का पालन करता है। मौत की सूचना पर परिजनों सहित लोगों में कोहराम मच गया लोगों की माना जाए तो युवती का किसी से प्रेम प्रसंग का मामला लग रहा है।पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही वजह सामने निकल कर आ जायेंगी फिर भी सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए जाच पड़ताल की जा रही हैं।

उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

हर पल निगाहें कहीं

रायबरेली -उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन निगम के रायबरेली डिपो में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। दिनांक 16 अक्टूबर 2024 को रायबरेली डिपो कार्यालय में बुकिंग लिपिक के पद पर कार्यरत सुरेंद्र सोनकर के साथ ही आउटसोर्स कर्मचारी

रामबाबू को सितंबर माह में उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश चंद्र श्रीवास्तव के द्वारा पुष्पमाला पहना कर सम्मानित किया गया! साथ ही उन्हें साथी कर्मचारियों ने शुभकामनाएं और बधाई दी।

भूमाफियाओं का आतंक,ग्रामीणों की जमीनों जबरन चलवाया जेसीबी

रायबरेली। जिले में भूमाफियाओं का आतंक तेजी से बढ़ रहा है, जिसके चलते बेस कीमती जमीनों पर अवैध कब्जा करने की घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामला गुरबक्श गंज थाना क्षेत्र के चंदावल गांव का है, जहां आज सुबह गांव के बाहर सीमा रेखा से लगी जमीन पर भू-माफियाओं ने जेसीबी चलाकर गरीबों के आशियानों को उजाड़ दिया। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले 50 से 60 वर्षों से उनके पूर्वज इस जमीन पर कच्चे मकान और झोपड़ियाँ बनाकर रह रहे थे। आज सुबह अचानक भू-माफियाओं और प्रॉपर्टी डीलरों ने जेसीबी चलाकर उनकी जमीन पर कब्जा करना शुरू कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों में दहशत फैल गई। उन्होंने तुरंत गुरबक्श गंज थाने और 112 डायल पुलिस को सूचित किया। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद भू-माफिया जेसीबी छोड़कर फरार हो गए। इस मामले में सैकड़ों ग्रामीणों ने गुरबक्श गंज थाना अध्यक्ष को एक लिखित प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने की शिकायत उनके संज्ञान में आई है। उन्होंने उप जिलाधिकारी लालगंज को मामले की जानकारी दे दी है और इसकी जांच शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन उनकी आवाज सुनेगा और भू-माफियाओं के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने गांव में भू-माफियाओं के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जिससे स्थानीय निवासियों में भय का माहौल बना हुआ है।

बहन से छेड़छाड़ कर रहे युवकों ने भाई को मारा, हालत गंभीर, पुलिस पर तहरीर बदलने का आरोप

रायबरेली। जिले के कोतवाली क्षेत्र के कृष्णानगर में एक युवती द्वारा छेड़छाड़ का विरोध करने पर दबंगों ने उसके भाई को बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया। पुलिस पर तहरीर बदलने का आरोप लगाते हुए पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। कोतवाली क्षेत्र के कृष्णानगर में छेड़छाड़ का विरोध करने पर एक युवती के भाई को दबंगों ने बेरहमी से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना बीती 13 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे की है, जब पीड़िता अपने घर के पास स्थित किराने की दुकान से सामान लेने जा रही थी। तभी वहां रहने वाले सचिन सोनकर और उसके परिवार के चार अन्य सदस्यों ने युवती को घसीटकर एक सुनसान स्थान पर ले जाने की कोशिश की और उसके कपड़े फाड़ दिए।

पीड़िता के शोर मचाने पर उसका भाई उसे बचाने के लिए मौके पर पहुंचा, लेकिन दबंगों ने उसे बुरी

तरह पीटा। शोर सुनकर परिजन भी पहुंचे, लेकिन आरोपियों ने उन्हें भी लाठी, डंडों और लोहे की रॉड से पीटा। घटना में पीड़िता की बहन और भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान आरोपी सचिन सोनकर ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पिस्टल से फायरिंग भी की, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद दबंगों ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि वे उन्हें गंभीर मामले में फंसा देंगे और अश्लील गालियां देते हुए मौके से फरार हो गए। इस संबंध में पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की। उल्टा, पुलिस ने अपनी मर्जी से एक गलत प्रार्थना पत्र तैयार कराकर पीड़िता से हस्ताक्षर करवा लिए और मामला दर्ज कर लिया। परेशान परिवार ने अब न्याय की गुहार लगाते हुए पुलिस अधीक्षक रायबरेली यसवीर सिंह से मिलकर पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जिम्मेदारी क्षेत्र अधिकारी सदर को सौंप दी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर राजेश सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच की जाएगी।

अमर शहीद वीरांगना अवंती बाई लोधी की प्रतिमा के साथ आसामाजिक तत्वों ने की

हर पल निगाहें संवाददाता

छेड़छाड़- राजनंदगांव- छत्तीसगढ़ मे वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा के साथ सामाजिक तत्वों के द्वारा छेड़छाड़ की गई।

जिसमें उनकी तलवार को तोड़ने का प्रयास किया गया,जिससे समूचे लोधी,लोध,लोधा समाज के लोगों में गुस्सा है,साथ ही वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी एक समाज की नहीं थी। बल्कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाली वीरांगनाओं में थी! समूचा भारत वर्ष उनके

बलिदान को नहीं भूल सकतासमूचे भारत वर्ष के लिए वह सम्मान का प्रतीक है!इस प्रकार की घटनाएं वीर स्वतंत्रता सेनानियों के गौरव को अपमानित करती है!इस घटना के विरोध में लोधी समाज छत्तीसगढ़ के प्रदेश कोषाध्यक्ष विष्णु लोधी के द्वारा इस घटना को करने वाले आसामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही के लिए थाना प्रभारी राजनांदगांव को पत्र लिखकर शीघ्र कार्यवाही की मांग की

ओवरलोड वाहनों का हुआ चालान,5 वाहनों का ई-चालान हुआ, 1 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया

रायबरेली। जनपद में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चेकिंग अभियान के दौरान ई-चालान कर लाखों रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। जिले में चल रहे इस सघन चेकिंग अभियान के तहत खनन और उपजिलाधिकारी लालगंज द्वारा ओवरलोड वाहनों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनन अधिकारी उमाकांत ने बताया कि सरकार के निर्देश पर जिले में ओवरलोड वाहनों की चेकिंग के दौरान ई-चालान किए जा रहे हैं। भारी बारिश के कारण खदानें बंद थीं। इसलिए गिट्टी, मौरंग और बालू से भरे ओवरलोड वाहन कम चल रहे थे। लेकिन अब खदानों का काम फिर से शुरू हो गया है। जिससे बिना रॉयल्टी के चलने वाले और ओवरलोड वाहनों पर प्रशासन की नजर है। लालगंज थाना क्षेत्र के दो सड़कों पर उपजिलाधिकारी नवदीप शुक्ला और खनन अधिकारी

उमाकांत ने सघन चेकिंग अभियान चलाकर पांच ट्रकों का ई-चालान किया। इनमें से दो ट्रकों पर बालू और मौरंग लदी थी। जिनके पास रॉयल्टी के कागज नहीं थे। इसलिए उन पर 1 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। वहीं, तीन ओवरलोड वाहनों पर 1.50 लाख रुपये का जुमार्ना लगाकर ई-चालान किया गया। उपजिलाधिकारी नवदीप शुक्ला ने बताया कि ओवरलोड और बिना रॉयल्टी के चलने वाले वाहनों पर जिला प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा और यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

एसपी ने किए कई थानेदारों के कार्यक्षेत्र में बदलाव, 1 दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों को मिली नई तैनाती

रायबरेली। जिले में एसपी ने पुलिस प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए कई थानेदारों के कार्यक्षेत्र में बड़े बदलाव किए हैं। इस नए आदेश के तहत कई अनुभवी अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

मिल एरिया थाना प्रभारी संजय सिंह बने लालगंज कोतवाली प्रभारी, लालगंज कोतवाली प्रभारी रहे संजय कुमार बने ऊंचाहार कोतवाली प्रभारी बनाया गया है। वहीं एसआईटी जाँच के घेरे में चल रहे खीरों थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवेंद्र भदौरिया महराजगंज कोतवाली भेजे गए।

इंस्पेक्टर बालेंदु गौतम महराजगंज कोतवाली से खीरों थाना भेजे गए। इंस्पेक्टर अनिल सिंह ऊंचाहार से डीह भेजे गए। इंस्पेक्टर जगदीश यादव मॉनिटरिंग सेल से महराजगंज कोतवाली भेजे गए हैं। साथ ही इंस्पेक्टर ब्रजेश सिंह को गुरुबख्शगंज थाना प्रभारी बनाया गया है।

फर्जी लूटकांड खुलासा करने वाले गदागंज थाना प्रभारी राकेश चन्द्र मॉनिटरिंग सेल भेजे गए हैं। इंस्पेक्टर पंकज त्यागी गदागंज थाना प्रभारी बने। इंस्पेक्टर संतोष सिंह अपराध शाखा से हरचंदपुर थाना प्रभारी बने। हरचंदपुर प्रभारी उपनिरीक्षक बबिता पटेल भदोखर थाना प्रभारी बनी। महिला थाना प्रभारी पुष्पा देवी शहर कोतवाली भेजी गई है। तो वहीं उपनिरीक्षक किरण भास्कर महिला थाना प्रभारी बनी। आईजीआरएस प्रभारी इंस्पेक्टर जावेद अख्तर डायल 112 के प्रभारी बने है।

पुलिस पर नाबालिग के साथ मारपीट का आरोप

रायबरेली। जिले के शिवगढ़ थाना क्षेत्र का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें पुलिसकर्मी एक किशोर के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना ग्राम रानीखेड़ा में एक पति-पत्नी के बीच मारपीट के मामले के सिलसिले में हुई। पत्नी की शिकायत पर 112 नंबर पर कॉल करने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पर पुलिस को परिजनों के साथ अभद्रता का सामना करना पड़ा। इसी दौरान पुलिस ने पति को पकड़कर थाने लाने का प्रयास किया। लेकिन परिजनों के हस्तक्षेप के कारण विवाद बढ़ गया। इस पूरे घटनाक्रम में पुलिसकर्मियों द्वारा किशोर और अन्य परिजनों के साथ हाथापाई की गई। जिसका वीडियो सामने आया है।

महिला के गले पर चाकू रखकर नकाबपोश बदमाशों ने डकैती की घटना को दिया अंजाम

हर पल निगाहें कहीं

नगराम,लखनऊ-कस्बा के लोध पुरवा में मंगलवार रात बदमाशों ने पेड़ के सहारे छत से घुसे घर में घर के कमरे में बेटे के साथ महिला सो रही थी जिसकी गर्दन पर बदमाशों ने चाकू रखकर नकाबपोश बदमाशों ने शोर मचाने पर बेटे की हत्या करने की दी धमकी फिर अलमारी में रखें जेवर और रुपए लूटकर फरार हो गए सूचना पर पहुंची नगराम पुलिस ने छानबीन के साथ चोरी का मुकदमा दर्ज किया नगराम कस्बा के लोध पुरवा निवासी रामप्रसाद के मुताबिक मंगलवार रात कमरे में बहु रोशनी अपने बेटे आयांश के साथ सो रही थी रात लगभग दो बजे नकाबपोश बदमाश प्रवेश हुए रोशनी ने बताया की रात को खट पट की आवाज सुनी तो नींद खुल गई तभी उठते देख एक बदमाश ने गर्दन पर चाकू रख दी शोर मचाने पर बेटे को मारने की धमकी देने लगा बदमाश ने महिला को धमकाते हुए अलमारी की चाभी ले ली रोशनी के मुताबिक बदमाशों ने अलमारी में रखे जेवरात के साथ 5000 की नगदी लूटी है पीड़ित ने नकाबपोश बदमाशों को भागता देख सास ससुर को जगा कर घटना की जानकारी दी। मंगलवार देर रात को नकाबपोश बदमाशों ने धावा बोलकर नगदी समेत जेवरात लेकर फरार हो गए उन्हें भागते देखा रोशनी ने बरामदे में सो रहे सास ससुर को उठाया और लूटपाट होने की घटना की जानकारी दी इस दौरान पीड़ित का पति घर पर नहीं था नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि सीसीटीवी कैमरा भी चेक किया जा रहा हैं फिलहाल तहरीर के आधार पर चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया।

अनियंत्रित ई-रिक्शा पलटा,6 सवारियां घायल, 2 की हालत गंभीर

रायबरेली। जनपद में एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। यह घटना हरचन्दपुर के पास रहवा रोड पर पेट्रोल टंकी के पास हुई। बताया जा रहा है कि श्रद्धालु मंदिर से दर्शन करके वापस आ रहे थे, तभी ई-रिक्शा पलट गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा। इस हादसे में एक बच्चे समेत करीब छह लोग घायल हुए हैं। इलाज कर रहे डॉक्टर सचिन निगम ने बताया कि घायलों को हरचंदपुर के सीएचसी अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। इनमें से दो लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जबकि बाकी की स्थिति सामान्य है।

स्कूल जाते समय दो बहनों की पिटाई,पुरानी रंजिश के चलते दबंगों ने लाठी डंडे से जमकर पीटा

रायबरेली। जिले के जगतपुर थाना क्षेत्र के उमरी गांव में पुरानी रंजिश के चलते दो सगी बहनों पर लाठी-डंडों से हमला किया गया। जब ये बहनें कॉलेज जा रही थीं, तब रास्ते में कुछ दबंगों ने उन पर हमला कर दिया। इस हमले में दोनों बहनें, प्राची सिंह और रुचि सिंह गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। रुचि की हालत

गंभीर होने के कारण उसे रायबरेली के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गांव वालों का कहना है कि हमलावर और पीड़ित एक ही परिवार से हैं। उनके बीच जमीन का विवाद चल रहा है। इस विवाद को लेकर पहले भी दोनों पक्षों के बीच झगड़े हो चुके हैं।

मामला अदालत में चल रहा है। जगतपुर थाना अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच जमीन के विवाद के कारण अक्सर झगड़े होते रहते हैं। जिसके चलते उनके खिलाफ पहले भी कानूनी कार्रवाई हो चुकी है। इस घटना के बाद पीड़िता की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मुख्य आरोपी राघवेंद्र सिंह उर्फ रिंकू सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि रिंकू सिंह की पत्नी और एक अन्य महिला के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

तेज रफ्तार कार ट्रक में घुसी,चार लोग गंभीर रूप से घायल

रायबरेली। जनपद के बछरावां थाना क्षेत्र में लखनऊ-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुप्ता पेट्रोल टंकी के पास एक कार ने खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना बुधवार को उस समय हुई, जब चार लोग अपने गांव थुलेडी से किसी काम से निगोहा लखनऊ जा रहे थे। अचानक उनकी कार ट्रक से टकरा गई। जिससे चीख-पुकार मच गई।

हर पल निगाहें : स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक राजेन्द्र कौशल द्वारा गौरव सेवा संस्थान, हरचन्दपुर, रायबरेली से प्रकाशित तथा आकाश प्रिन्टर्स नेहरू नगर, रायबरेली से मुद्रित
सम्पादक : राजेन्द्र कौशल (मो. : 9415956631) Email : pressharpalnigahein@gmail.com R.N.I. No.: UPHIN/2010/32333
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र रायबरेली न्यायालय ही मान्य होगा।